दैनिक
विश्वनाथ समाचार
RNI NO. MPHIN/25/A4357
संदीप सेन (प्रधान संपादक)
मो. 9755161156
www.vishwanathsamachar.com | इंदौर, गुरुवार 5 नवम्बर 2026 | वर्ष 1 | कुल पृष्ठ : 8 | DIGITAL EDITION

विकसित भारत 2047 का संकल्प : राज्यों की भूमिका, जिम्मेदारी और जवाबदेही की होगी असली परीक्षा

केंद्र ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को 2047 के लिए पांच प्रमुख विकास लक्ष्य तय करने की जिम्मेदारी सौंपी है। अगले महीने होने वाले मुख्य सचिवों के राष्ट्रीय सम्मेलन में इन लक्ष्यों और रणनीति पर मंथन होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने भी एजेंडा रखा जाएगा। इस बार जोर केवल योजनाओं की घोषणा पर नहीं, बल्कि जमीन पर नतीजे देने पर रहेगा।



लक्ष्य तय करने में युवा और क्षेत्रीय स्तर पर तैनात अधिकारियों की राय भी ली जा रही है। सम्मेलन में खनन, कोयला, जैव प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी और विज्ञान-तकनीक के बेहतर इस्तेमाल पर चर्चा होगी। सड़क, रेलवे और अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में देरी दूर करने के उपाय भी तलाशे जाएंगे। लेकिन असली सवाल लक्ष्य तय करने का नहीं, उन्हें पूरा करने का है। मध्य प्रदेश सहित सभी राज्यों के सामने चुनौती होगी कि विकास का लाभ गांव, कस्बे, किसान, युवा और आम नागरिक तक कितना पहुंचता है। 2047 की तस्वीर कागजी संकल्पों से नहीं, समयबद्ध काम, पारदर्शिता और जवाबदेही से बनेगी।

एनसीपी में अंदरूनी घमासान!

सुनेत्रा पवार ने बुलाई विधायकों की बैठक, पार्थ पवार के बढ़ते दबदबे और फंड की कमी से बढ़ी नाराजगी



महाराष्ट्र की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में अंदरूनी खींचतान की चर्चाओं ने सियासी हलचल बढ़ा दी है। पार्टी में बढ़ती नाराजगी के बीच सुनेत्रा पवार ने विधायकों की बैठक बुलाकर एकजुटता साधने की कोशिश की है। बैठक को संगठन के भीतर उभर रहे असंतोष के बीच महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पार्टी में पार्थ पवार की बढ़ती भूमिका और संगठन पर उनके कथित प्रभाव को लेकर भी चर्चाएं हैं। बताया जा रहा है कि कुछ वरिष्ठ नेता अपनी उपेक्षा और संगठनात्मक फैसलों को लेकर नाराज हैं। वहीं, विकास कार्यों के लिए पर्याप्त निधि नहीं मिलने की शिकायतों ने विधायकों की मुश्किलें बढ़ाई हैं। राजनीति में संगठन की ताकत केवल पदों से नहीं, बल्कि नेताओं के बीच भरोसे और कार्यकर्ताओं के सम्मान से बनती है।

गोरखपुर में योगी की पदयात्रा से सियासी हलचल तेज

'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ' के नारे से विपक्ष पर हमला

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को गोरखपुर में आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा में शामिल हुए। इस दौरान उनके साथ भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी भी मौजूद रहे।

पदयात्रा के जरिए भाजपा नेताओं ने लोकतंत्र की मजबूती, राजनीतिक स्थिरता और देश के विकास का संदेश दिया। कार्यक्रम में एनडीए के सहयोगी दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी भी रही। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि भारत का लोकतंत्र जितना मजबूत होगा, देश उतना ही आत्मनिर्भर और विकसित बनेगा। गोरखपुर में आयोजित इस पदयात्रा को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिला। 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' के नारे के साथ निकली इस पदयात्रा के माध्यम से पार्टी ने राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर अपनी बात जनता तक पहुंचाने का प्रयास किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व और एनडीए के सहयोगी दलों



के साथ कार्यक्रम में भाग लेकर गठबंधन की एकजुटता का संदेश भी दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पदयात्रा में शामिल होने की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, "दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के साथ एनडीए के सहयोगी सदस्यों के साथ आज जनपद गोरखपुर में आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा में सम्मिलित हुआ।" मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में लोकतंत्र को देश की ताकत बताते हुए कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था जितनी सशक्त होगी, भारत के विकास की गति भी उतनी ही तेज होगी। उनके मुताबिक, मजबूत लोकतंत्र देश को आत्मनिर्भर बनाने और विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

भाजपा नेतृत्व और एनडीए की एकजुटता का संदेश

इस पदयात्रा में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी की मौजूदगी को भी राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर के नेतृत्व के एक साथ शामिल होने से पार्टी संगठन की सक्रियता और एनडीए की एकजुटता प्रदर्शित करने की कोशिश की गई।

दीपावली पर सभी व्यवस्थाएं रहें चाक-चौबंद: डॉ. मोहन

CM के निर्देश- प्रतिबंधित पटाखों, कार्बाइड गन और कार्बाइड लैंप का उपयोग न होने पाए

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सभी लोग दीपावली हर्ष और आनंद से मनायें, परंतु कहीं भी किसी भी प्रकार असामाजिक काम न हों।

इसके लिए पुलिस और प्रशासन कानून व्यवस्था की सभी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद कर लें। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दीपावली और किसानों के लिए पीक का समय है। अतः दीपावली पर्व और



किसानों की जरूरत को ध्यान में रखते हुए प्रदेश का पूरा प्रशासनिक अमला अलर्ट मोड पर रहे। उन्होंने कहा कि किसानों को खाद-उर्वरक या अन्य किसी प्रकार की कठिनाई आई तो इसके लिए कलेक्टर्स जिम्मेदार माने जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मुख्यमंत्री निवास के समत्व भवन से प्रदेश के सभी कलेक्टर्स एवं पुलिस अधीक्षकों को अर्जेन्ट वीडियो कान्फ्रेंसिंग से संबोधित कर रहे थे।

दैनिक विश्वनाथ समाचार
इंदौर, गुरुवार 5 नवम्बर 2026

दीपावली से पहले खाद्य प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई, 26 नमूने लिए

नापतौल विभाग के साथ संयुक्त कार्रवाई में असत्यापित तौल उपकरण और बाट जब्त

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

इंदौर। दीपावली पर्व के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने मंगलवार को विशेष निरीक्षण अभियान चलाया। शहर के 11 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर 26 खाद्य नमूने जांच के लिए लिए गए। अभियान के दौरान नापतौल विभाग के साथ दो प्रतिष्ठानों पर संयुक्त कार्रवाई की गई। मूसाखेड़ी स्थित श्री बसंत इंटरप्राइजेज में रिफाइंड सोयाबीन तेल का नमूना लिया गया। यहां असत्यापित इलेक्ट्रॉनिक तौल उपकरण जब्त कर प्रकरण दर्ज किया गया। फार्मर्स मिल्क कार्ट से मावा, मिल्क केक, रसगुल्ला और केसर पेड़ा के चार नमूने लिए गए, सफाई में कमी पर सुधार सूचना पत्र जारी किया जा रहा है। मुस्कान डेयरी, स्नेहल डेयरी, राममोहन दूध दही भंडार, श्रीवारी फूड वेंचर्स सहित अन्य प्रतिष्ठानों से दूध, पनीर, घी, मावा, मिठाई, तेल और दाल के नमूने लिए



गए। श्रीवारी फूड वेंचर्स में मेडिकल फिटनेस प्रमाण-पत्र नहीं मिलने पर नोटिस जारी किया जा रहा है। वहीं एमएफटीएल के साथ उच्च न्यायालय और एलआईसी परिसर के पास स्ट्रीट वेंडर्स को खाद्य सुरक्षा व स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। सभी नमूने जांच के लिए लैब भेजे गए हैं, रिपोर्ट के आधार पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

श्री महाकालेश्वर मंदिर

नंदीहाल के सौंदर्यीकरण कार्यों का प्रशासक ने किया निरीक्षण



सिंहस्थ-2028 के दृष्टिगत कोटितीर्थ कुंड और आसपास के मंदिरों को संवारने के निर्देश, धार्मिक स्वरूप संरक्षित रखने पर जोर

उज्जैन। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रशासक एवं अपर कलेक्टर प्रथम कौशिक ने मंगलवार को मंदिर के नंदीहाल में चल रहे सौंदर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता की जानकारी ली तथा निर्धारित योजना के अनुसार कार्य समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

आगामी सिंहस्थ महापर्व-2028 के दृष्टिगत उन्होंने मंदिर परिसर स्थित कोटितीर्थ कुंड एवं आसपास के मंदिरों के सौंदर्यीकरण तथा आवश्यक व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मंदिर के धार्मिक एवं पारंपरिक स्वरूप को संरक्षित रखते हुए सभी कार्य योजनाबद्ध और सुव्यवस्थित तरीके से किए जाएं, जिससे श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। इस अवसर पर मंदिर के इंजीनियर शिवाकांत पांडे, देवेंद्र परमार सहित अन्य अधिकारी एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

ABVP की नवीन कार्यकारिणी घोषित, सूरज विनोद दरबार बने अध्यक्ष

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

देपालपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नगर इकाई देपालपुर द्वारा शासकीय भागीरथ जी सिलावट महाविद्यालय की सत्र 2026-27 की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की गई। नई कार्यकारिणी में अध्यक्ष सूरज विनोद दरबार और मंत्री पायल दयाल चुने गए। उपाध्यक्ष नितिराज चौहान व पायल प्रजापत, सह मंत्री चेतन परमार व राज चौधरी बनाए गए। इसके अलावा एसएफडी प्रमुख हरिओम सेन, सह प्रमुख मनोज चौधरी, एसएफएस प्रमुख उत्तम मकवाना, सह प्रमुख रुद्र प्रताप शर्मा, खेलो भारत प्रमुख अरुण



बॉथम, सह प्रमुख रितेश अरद, राष्ट्रीय कला मंच प्रमुख लखन दयाल व सह प्रमुख कीर्तन खत्री को दायित्व दिया गया। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में शिवपाल राठौड़, निलेश चौहान व मनोज योगी शामिल हैं। घोषणा के दौरान जिला संयोजक शैलेंद्र चौहान, भाग संयोजक देवेंद्र सोलंकी, नगर मंत्री देव चौधरी सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे। नवनिर्वाचित अध्यक्ष सूरज, क्षत्रिय कलोता समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद दरबार के पुत्र हैं।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण

बच्चों की सुरक्षा पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी - जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान



सांदीपनि विद्यालय देपालपुर में सुरक्षित बचपन अभियान के तहत विधिक जागरूकता शिविर, पॉक्सो कानून और साइबर सुरक्षा की दी जानकारी

देपालपुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण इंदौर एवं तहसील विधिक सेवा समिति देपालपुर द्वारा सांदीपनि विद्यालय देपालपुर में सुरक्षित बचपन अभियान के अंतर्गत विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि तहसील विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष एवं जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान तथा विशेष अतिथि अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती रिजवाना कौसर रहीं। जिला न्यायाधीश खान ने कहा कि बच्चों का सुरक्षित बचपन, सम्मान और भयमुक्त विकास समाज की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने विद्यार्थियों को उनके मौलिक अधिकारों, व्यक्तिगत सुरक्षा और पॉक्सो कानून की जानकारी दी तथा अनुचित व्यवहार की स्थिति में माता-पिता और शिक्षकों को तत्काल सूचित करने के लिए जागरूक किया। विशेष अतिथि श्रीमती रिजवाना कौसर ने साइबर अपराधों और डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। उन्होंने सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, व्यक्तिगत जानकारी साझा करने के खतरे, साइबर बुलिंग और संदिग्ध लिंक से बचने के उपाय बताए। कार्यक्रम में प्राचार्य अमिता मुंदड़ा, शिक्षक दीपक बोडाना, दिलीप शर्मा सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। संचालन निधि शरद हिर्वे ने किया तथा आभार अनिल पंवार ने माना।

2022 में रोका था, अब फिर कैसे बढ़ा निर्माण?

अवैध मजार पर 4 साल बाद भी वही सवाल

बनेडिया रोड के विवादित निर्माण पर फिर उठे सवाल, 400 साल पुरानी होने का दावा, हिंदू समाज ने की निष्पक्ष जांच की मांग

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

देपालपुर। बनेडिया रोड स्थित विवादित मजार पर अवैध निर्माण का मामला फिर गरमाया। 2022 में शिकायत पर तत्कालीन एसडीएम रवि वर्मा, एसडीओपी अनिल सिंह चौहान और टीआई मीना कर्णावत ने मौके पर पहुंचकर निर्माण रुकवाया था। आरोप था कि बिना अनुमति बीम-कॉलम





डालकर पक्का निर्माण किया जा रहा है। अब उसी स्थान पर फिर निर्माण की तैयारी की तस्वीरें सामने आई हैं। बताया जा रहा है कि इसे 400 साल पुराना बताकर दोबारा निर्माण का प्रयास हो रहा है।

सकल हिंदू समाज ने पूछा

जब काम रुकवा दिया था तो दोबारा नौबत क्यों आई? राजस्व रिकॉर्ड, सीमांकन और अनुमति की जांच क्यों नहीं हुई? समाज ने मांग की है कि सरकारी भूमि पर अतिक्रमण है तो नियमानुसार कार्रवाई हो।

फार्मेसी लाइसेंस पर चल रहा था क्लीनिक, बीएमओ ने दी सख्त कार्रवाई की चेतावनी

ग्राम बनेड़िया में अवैध रूप से संचालित हो रहा श्री विनायक क्लीनिक, स्वास्थ्य विभाग की जांच में खुलासा



जीवन डोडिया
विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com



इंदौर। देपालपुर विकासखंड के ग्राम बनेड़िया में डॉ. गोयल द्वारा संचालित श्री विनायक क्लीनिक बिना वैध अनुमति के संचालित होना पाया गया है। स्वास्थ्य विभाग की प्रारंभिक जांच में क्लीनिक के पास क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट के तहत पंजीयन और अनुमति नहीं होना सामने आया है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनेड़िया के चिकित्सा अधिकारी डॉ. विजय गहलोत ने मौके पर पहुंचकर जांच की और विस्तृत जांच रिपोर्ट तैयार कर खंड चिकित्सा अधिकारी को सौंपी है। रिपोर्ट में स्पष्ट उल्लेख है कि उक्त स्थान पर क्लीनिक के मानकों का पालन नहीं हो रहा है।

इस संबंध में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. विभा नागर ने बताया कि संचालक के पास केवल औषधि विक्रय (फार्मेसी) का लाइसेंस है। मध्यप्रदेश क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट के अंतर्गत क्लीनिक संचालन के लिए अलग से पंजीयन और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय से अनुमति लेना अनिवार्य है, जो संचालक के पास नहीं है। डॉ. नागर ने बताया कि संचालक को तत्काल प्रभाव से क्लीनिक संचालन बंद करने के मौखिक निर्देश दिए गए हैं। यदि इसके बावजूद क्लीनिक का संचालन जारी पाया जाता है तो क्लीनिक को सील करने सहित वैधानिक कार्रवाई की जाएगी और प्रकरण वरिष्ठ कार्यालय को भेजा जाएगा।

अधिकृत पैथोलॉजिस्ट की वास्तविक भूमिका पर सवाल, मशीनों के भरोसे जारी हो रहीं ब्लड रिपोर्ट? इंदौर सहित ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य विभाग की निगरानी पर उठे सवाल

पैथोलॉजी लैबों में डिजिटल हस्ताक्षरों का खेल!





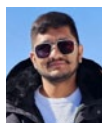
संदीप परमार (सेन)
प्रधान संपादक-9755161156
विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

इंदौर। जिले सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में संचालित निजी पैथोलॉजी लैबों की कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप हैं कि कुछ लैब संचालकों द्वारा जांच रिपोर्ट पर अधिकृत पैथोलॉजिस्ट के नाम, फोटोयुक्त हस्ताक्षर एवं डिजिटल हस्ताक्षर का उपयोग किया जा रहा है, जबकि संबंधित चिकित्सकों की लैब में नियमित उपस्थिति, जांच प्रक्रिया में वास्तविक सहभागिता तथा रिपोर्ट के तकनीकी परीक्षण एवं प्रमाणीकरण की भूमिका संदेह के घेरे में है। स्वास्थ्य सेवाओं से सीधे जुड़े इस मामले में सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि क्या संबंधित पैथोलॉजिस्ट वास्तव में जांच के परिणामों का परीक्षण, सत्यापन एवं चिकित्सकीय मूल्यांकन करने के बाद ही अपनी डिजिटल अथवा इलेक्ट्रॉनिक स्वीकृति प्रदान कर रहे हैं, अथवा उनके नाम और हस्ताक्षर का उपयोग केवल औपचारिकता पूरी करने के लिए किया जा रहा है?

मशीनों से जांच, लेकिन रिपोर्ट की जवाबदेही किसकी?

पैथोलॉजी जांच में आधुनिक ऑटो एनालाइजर एवं अन्य स्वचालित मशीनों की भूमिका महत्वपूर्ण है। हालांकि मशीन द्वारा जांच परिणाम तैयार कर देना और उस परिणाम का अधिकृत स्तर पर प्रमाणीकरण करना दो अलग-अलग प्रक्रियाएं हैं। मरीज के रक्त नमूने की गुणवत्ता, सैंपल की उपयुक्तता, मशीन की कैलिब्रेशन स्थिति, क्वालिटी कंट्रोल, असामान्य जांच परिणामों का सत्यापन तथा आवश्यकतानुसार चिकित्सकीय व्याख्या सुनिश्चित करना प्रयोगशाला की तकनीकी एवं व्यावसायिक जिम्मेदारी का हिस्सा है। ऐसे में यदि किसी लैब में केवल मशीन आधारित जांच के बाद रिपोर्ट तैयार कर दी जाती है और अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता की वास्तविक समीक्षा के बिना रिपोर्ट जारी होती है, तो यह मरीजों की सुरक्षा, रिपोर्ट की विश्वसनीयता तथा जवाबदेही से जुड़ा गंभीर विषय है।

बांधवगढ़ में दीपावली पर वन्यजीव संरक्षण को मिली नई उड़ान



सनातन दग्दी
स्थानिय संपादक
विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com



उज्जैन। दीपावली के अवसर पर बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से वन्यजीव संरक्षण की सकारात्मक तस्वीर सामने आई है। विभागीय प्रयासों से हाथी, गौर, गिद्ध और बारहसिंगा जैसे वन्यजीवों का पुनर्स्थापन व अनुकूलन सफलतापूर्वक हो रहा है, जिससे रिजर्व की जैव विविधता में वृद्धि दर्ज की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गौर, जो कभी इस क्षेत्र से विलुप्त हो चुका था, अब स्थायी रूप से बस चुका है। वर्ष 2018 में प्रवास कर आए हाथियों ने भी बांधवगढ़ को अपना प्राकृतिक आवास बना लिया है। वहीं गिद्धों को सुरक्षित चट्टानों में अनुकूल आश्रय मिला है, जिससे पारिस्थितिक स्वच्छता बनी हुई है। बारहसिंगा के पुनर्स्थापन हेतु कान्हा टाइगर रिजर्व से लाकर उन्हें सुरक्षित बाड़े में रखा गया है और अनुकूलन प्रक्रिया जारी है। विभाग का कहना है कि सुरक्षित आवास मिलने से वन्यजीवों की नई पीढ़ियां पनप रही हैं। यह न केवल पर्यावरण संरक्षण की उपलब्धि है, बल्कि प्रकृति पर्यटन के लिए भी नए अवसर सृजित कर रही है।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए महाकाल मंदिर में CPR प्रशिक्षण

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

आपात स्थिति में त्वरित सहायता के लिए कर्मचारियों को दिया गया प्रशिक्षण



उज्जैन। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। उनकी सुरक्षा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए मंदिर प्रबंध समिति द्वारा मंगलवार को श्री महाकाल महालोक में CPR प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में मंदिर में कर्तव्यरत कर्मचारी, सुरक्षाकर्मी और आउटसोर्स स्टाफ शामिल हुए। ट्रेनर जसराज राठौर ने हृदय गति रुकने जैसी आपात स्थिति में CPR देने की प्रक्रिया और प्राथमिक सहायता की व्यावहारिक जानकारी दी, ताकि जरूरत पड़ने पर श्रद्धालुओं को तुरंत मदद मिल सके। मंदिर समिति का उद्देश्य परिसर में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक तत्पर बनाना और श्रद्धालुओं को सुरक्षित व सुगम दर्शन व्यवस्था उपलब्ध कराना है। इस दौरान विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी (सुरक्षा) पलकेश परमार उपस्थित रहे।

दैनिक विश्वनाथ समाचार
इंदौर, गुरुवार 5 नवम्बर 2026

ईरान युद्ध और महंगे पेट्रोल-गैस ने ट्रंप की बढ़ाई मुश्किलें, मध्यावधि चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को करारी हार



विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

अमेरिका में मध्यावधि चुनाव के नतीजों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी रिपब्लिकन पार्टी की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। चुनाव में पार्टी को मिली करारी हार के बाद ट्रंप ने स्वीकार किया है कि ईरान के साथ जारी युद्ध और पेट्रोल-डीजल व गैस की बढ़ती कीमतों ने अमेरिकी मतदाताओं को नाराज किया। इसका सीधा असर चुनावी नतीजों पर पड़ा और रिपब्लिकन पार्टी को भारी राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ा। ट्रंप ने माना कि युद्ध के कारण पैदा हुए आर्थिक दबाव ने आम अमेरिकी नागरिकों की जिंदगी को प्रभावित किया, जिसके चलते लोगों ने मतदान के दौरान अपनी नाराजगी जाहिर की। चुनाव में हार के बाद ट्रंप ने कहा कि ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई का आर्थिक असर अमेरिका को झेलना पड़ा है। युद्ध के चलते ऊर्जा बाजार में अस्थिरता बढ़ी और तेल की कीमतों में उछाल आया। इसका असर पेट्रोल और गैस की कीमतों पर भी दिखाई दिया। अमेरिका में आम नागरिकों के लिए ईंधन महंगा होने से घरेलू बजट पर दबाव बढ़ा। महंगाई और रोजमर्रा की जरूरतों पर बढ़ते खर्च को लेकर मतदाताओं में असंतोष देखने को मिला। माना जा रहा है कि यही नाराजगी रिपब्लिकन पार्टी के खिलाफ गई और विपक्षी दलों को इसका राजनीतिक फायदा मिला।

हालांकि, चुनाव में मिली हार के बावजूद ट्रंप ने ईरान के खिलाफ अपने सैन्य अभियान को गलत मानने से इनकार किया। उन्होंने कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि अमेरिका के लिए यह कदम उठाना जरूरी था। ट्रंप के मुताबिक, ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण फैसला था और इसके पीछे अमेरिका के रणनीतिक हित थे। उन्होंने संकेत दिया कि आर्थिक और राजनीतिक दबाव के बावजूद अमेरिका अपनी सैन्य नीति से पीछे हटने के मूड में नहीं है। उनके बयान से साफ है कि चुनावी नतीजों के बाद भी ईरान को लेकर अमेरिकी प्रशासन का रुख सख्त बना हुआ है।

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे दिलचस्प पहलू ईरान की प्रतिक्रिया है। अमेरिकी चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की हार को तेहरान में अपनी रणनीतिक स्थिति के लिहाज से अहम घटनाक्रम के रूप में देखा जा रहा है। ईरान में इस नतीजे को लेकर जश्न का माहौल होने की बात सामने आई है। वहां इसे ट्रंप प्रशासन की नीतियों के खिलाफ अमेरिकी जनता की नाराजगी के तौर पर पेश किया जा रहा है। ईरान के लिए यह राजनीतिक रूप से एक महत्वपूर्ण संदेश माना जा सकता है कि अमेरिका के भीतर भी युद्ध और उसकी आर्थिक कीमत को लेकर असंतोष बढ़ रहा है। दरअसल, किसी भी लंबे सैन्य संघर्ष का असर केवल युद्ध के मैदान तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसकी कीमत आम नागरिकों को भी चुकानी पड़ती है। तेल और गैस की आपूर्ति प्रभावित होने, अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनिश्चितता बढ़ने और परिवहन लागत में इजाफा होने से कई देशों की अर्थव्यवस्था पर दबाव पड़ता है। अमेरिका जैसे बड़े उपभोक्ता बाजार में ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी का असर सीधे आम लोगों की जेब पर पड़ता है। ऐसे में जब चुनाव के दौरान मतदाता महंगाई, रोजगार और घरेलू खर्च जैसे मुद्दों को प्राथमिकता देते हैं, तब विदेश नीति और सैन्य फैसले भी चुनावी नतीजों को प्रभावित कर सकते हैं। ट्रंप के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती अपनी पार्टी के भीतर बढ़ते राजनीतिक दबाव को संभालने की होगी।

देश के कोयला सेक्टर की सुरक्षा का केंद्र बनेगा रांची

सुरक्षा के लिहाज से बड़ी जिम्मेदारी मिलने जा रही है। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) अपने कार्यात्मक ढांचे में व्यापक बदलाव करने जा रहा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की मंजूरी के बाद नई व्यवस्था 1 नवंबर 2026 से लागू होगी। इसके तहत देश के महत्वपूर्ण औद्योगिक और रणनीतिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को क्षेत्र विशेष की जरूरतों के अनुरूप व्यवस्थित किया जाएगा। इस पुनर्गठन में रांची को राष्ट्रीय कोल सेक्टर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अब यहां स्थित मुख्यालय से देशभर की कोयला खदानों, कोल ब्लॉकों और संबंधित प्रतिष्ठानों की सुरक्षा व्यवस्था का संचालन किया जाएगा।

CISF के इस बदलाव को औद्योगिक सुरक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी और आधुनिक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। नई व्यवस्था में पारंपरिक क्षेत्रीय ढांचे के बजाय अलग-अलग औद्योगिक क्षेत्रों की जरूरतों के अनुसार विशेषज्ञता पर जोर दिया जाएगा। इससे कोयला, स्टील, बिजली, पेट्रोलियम, बंदरगाह और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए अलग-अलग सेक्टर काम करेंगे। रांची की नई भूमिका के कारण झारखंड की राजधानी का महत्व राष्ट्रीय सुरक्षा और औद्योगिक प्रबंधन के स्तर पर बढ़ जाएगा।

रांची से होगी देशभर की कोयला खदानों की निगरानी

नई व्यवस्था के तहत CISF के ईस्टर्न सेक्टर मुख्यालय, रांची को राष्ट्रीय कोल सेक्टर के रूप में पुनर्गठित किया गया है। इसके बाद देशभर में फैली कोयला खदानों, कोल ब्लॉकों और कोयला प्रतिष्ठानों की सुरक्षा, निगरानी तथा रणनीतिक संचालन की जिम्मेदारी रांची स्थित मुख्यालय के पास होगी। कोयला क्षेत्र देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बिजली उत्पादन और औद्योगिक गतिविधियों के लिए कोयले की आपूर्ति जरूरी है। ऐसे में खदानों, भंडारण केंद्रों और संबंधित प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को मजबूत करना महत्वपूर्ण माना जाता है। रांची से राष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था के संचालन से कोयला क्षेत्र की जरूरतों के अनुसार योजना बनाने और विभिन्न इकाइयों के बीच समन्वय स्थापित करने में मदद मिल सकती है।

नई व्यवस्था के तहत सुरक्षा के लिए आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल पर भी जोर दिया जाएगा। कोयला प्रतिष्ठानों की सुरक्षा में साइबर सुरक्षा, ड्रोन और एंटी-ड्रोन तकनीक से लैस विशेष दस्तों की तैनाती की योजना है।

अमेरिका में हिंदूफोबिया की चुनौती, धार्मिक सहिष्णुता पर उठे सवाल

हाल में भारत दौरे पर आए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने अमेरिका में भारतीयों के खिलाफ नस्ली नफरत से जुड़े सवाल पर यह कहकर किनारा किया कि हर देश में कुछ मूर्ख लोग होते हैं, पर पिछले दिनों वहां इलिनाय के आरोरा में श्री वेंकटेश्वर स्वामी यानी बालाजी मंदिर को निशाना बनाने वाले एक षड्यंत्र का जो भंडाफोड़ हुआ, उससे साफ होता है कि हालात कुछ और हैं।

इस षड्यंत्र का आरोपित एलेक्जेंड्रोस पापोरकिस भारतीय-अमेरिकी समुदाय के एक बड़े धार्मिक आयोजन को निशाना बनाने के लिए योजना बन रहा था। वह राइफल से लैस होकर मंदिर पहुंचा, पर वह जाम हो गई। वह दोबारा मंदिर जाकर हमले की तैयारी में था। उसके घर से एक श्वेत वर्चस्ववादी घोषणापत्र और नाजी सामग्री बरामद हुई। यह प्रकरण उस भयावह प्रवृत्ति का एक नमूना है, जिसके प्रति भारतीय-अमेरिकी समुदाय लंबे समय से चेतावनी देता आ रहा है। आरोरा की घटना पहली वारदात नहीं है। पिछले वर्ष स्पेनिश फोर्क, ऊटा के इस्कान मंदिर में गोलीबारी हुई थी। अमेरिका में लंबे समय से हिंदू घृणा के संकेत सामने आ रहे हैं। न्यूयार्क के मेलविले स्थित स्वामीनारायण मंदिर में तोड़फोड़ हो या फिर कैलिफोर्निया के फ्रीमोंट और हेवर्ड मंदिरों पर हिंदू-विरोधी नारे लिखना, अमेरिका में हिंदुओं को डराना-धमकाना चिंताजनक रूप से सामान्य हो गया है। ये घटनाएं वहां के सबसे शांतिप्रिय प्रवासी समुदाय के खिलाफ बढ़ती नफरत का रूप ले चुकी हैं। इन घटनाओं की रिपोर्टिंग का तरीका भी चिंतनीय है। जहां अमेरिकी नेता और मीडिया अन्य समूहों के प्रति पंथिक और नस्ली घृणा की निंदा करने में तुरंत आगे आते हैं, वहीं हिंदू संस्थानों पर होने वाले हमलों पर शायद ही कभी वैसा रोष देखने को मिलता हो। जो इस्लामिक कट्टरता स्पष्ट रूप से मजहबी कारकों से प्रेरित है, उस पर चर्चा तक को 'इस्लामोफोबिया' कह कर रोक दिया जाता है, पर हिंदू घृणा का सामान्यीकरण हो चुका है। हिंदू मंदिरों पर हमलों पर आधिकारिक बयान अक्सर उन्हें छिटपुट घटना बताते हैं। अमेरिका के नागरिक अधिकार प्रतिष्ठानों की शब्दावली से 'हिंदूफोबिया' शब्द नदारद है। इसका एक बड़ा कारण यह भ्रम है कि सामाजिक-आर्थिक सफलता किसी अल्पसंख्यक समूह को पूर्वाग्रह से बचा लेती है। लगभग हर पैमाने पर हिंदू-अमेरिकी अमेरिका में सबसे सफल समूहों में से हैं। आंकड़े और अध्ययन यह दिखाते हैं कि भारतीय अमेरिकियों की औसत आय, शैक्षणिक योग्यता और चिकित्सा, इंजीनियरिंग आदि क्षेत्र में पेशेवर प्रतिनिधित्व देश में अग्रणी है। अपराधों में उनकी संलिप्तता का स्तर भी बहुत कम है। आर्थिक अनिश्चितता और राजनीतिक लोकलुभावनवाद के दौर में असाधारण सफलता दबी हुई कुंठाओं और ईर्ष्या को जन्म दे सकती है। दक्षिणपंथी "मागा" वालों की बयानबाजी में उच्च कौशल वाले प्रवासियों की सफलता को आर्थिक खतरे और सांस्कृतिक विस्थापन के चश्मे से देखा जाने लगा है। इससे खास तौर पर अमेरिकी हिंदुओं के खिलाफ स्थानीय लोगों की नाराजगी भड़कती है। हिंदुओं की सफलता उनका सुरक्षा कवच बनने के बजाय शत्रुता का कारण बन रही है। आर्थिकी से उत्पन्न ईर्ष्या के साथ एक पुराना और गहरा सांस्कृतिक पूर्वाग्रह भी घृणा का कारण है। आधुनिक और परिष्कृत जीवनशैली के आवरण के पीछे अमेरिकी समाज के एक वर्ग में बहुईश्वरवाद और मूर्ति पूजा के प्रति द्वेष स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। यह पूर्वाग्रह मंदिर निर्माणों के खिलाफ होने वाले विरोध और हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियों को 'डरावना' बताने में खुलकर सामने आता है। टेक्सास के शुगरलैंड में भगवान हनुमान की 90 फीट ऊंची प्रतिमा का विरोध तो अपने चरम पर पहुंच गया था। बहुईश्वरवाद के प्रति घृणा ही उस दोहरे रवैये को जन्म देती है, जिसके चलते अमेरिकी समाज कट्टर इस्लामी मान्यताओं के प्रति तो कुछ नरमी बरतता है, पर हिंदुओं के प्रति किसी तरह की सहानुभूति दिखाने से कतराता है। भारतीय मूल के रूढ़िवादी ईसाई टिप्पणीकारों ने पश्चिमी पादरियों के पूर्वाग्रहों को हवा देकर इस माहौल को और जहरीला बनाया है। अमेरिकी मुख्यधारा की राजनीति भी इस पंथिक संकीर्णता से अछूती नहीं। चुनावी दौर में कई रिपब्लिकन समर्थकों ने विवेक रामास्वामी से हिंदू होने को लेकर सवाल पूछे। ऐसी अभद्रता तो भारतीय राजनीति में भी नहीं दिखती। इसी तरह जेडी वेंस की पत्नी उषा वेंस को ईसाइयत न अपनाने पर भी कठघरे में खड़ा किया गया। स्थिति विकट बनाने में

श्री हुड्डा को सौंपा गया सहायक सत्कार अधिकारी का भी प्रभार



विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

इंदौर। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी शिवम वर्मा ने प्रशासकीय कार्य सुविधा की दृष्टि से डिप्टी कलेक्टर एवं एसडीएम देपालपुर चरणजीत सिंह हुड्डा को वर्तमान कार्यों के साथ-साथ सहायक सत्कार अधिकारी (सत्कार शाखा) कलेक्टोरेट इंदौर का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। यह प्रभार अन्य आदेश होने तक रहेगा।

विवाहिता आत्महत्या मामले में खुलासा, पति पर उकसाने का केस

दहेज के लिए प्रताड़ना से तंग आकर उठाया था खौफनाक कदम

इंदौर। तुकोगंज थाना क्षेत्र के रुस्तम का बगीचा में विवाहिता की आत्महत्या के मामले में पुलिस जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस के अनुसार 19 अक्टूबर को अंजू उर्फ अंजलि निवासी रुस्तम का बगीचा ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या की थी। मर्ग जांच में सामने आया कि पति मयंक पिता धर्मेंद्र शादी के बाद से ही दहेज के लिए उसे शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करता था।



लगातार यातनाओं से तंग आकर विवाहिता ने यह कदम उठाया। तुकोगंज पुलिस ने आरोपी पति मयंक के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने और दहेज प्रताड़ना की धाराओं में केस दर्ज कर हिरासत में लिया है।

40 सेकंड के प्रोमो

विवाद पीछे छूटा, फिल्म 'लव स्टोरी अभिमन्यु' को मिल रहा शानदार रिस्पॉन्सः अभिनेता विशाल मोहन



विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

इंदौर। पहले 'यादव जी की लव स्टोरी' नाम से चर्चित रही फिल्म 'लव स्टोरी अभिमन्यु' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। 40 सेकंड के प्रोमो को लेकर देशभर में हुए भारी विरोध के बाद अब फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। यह बात फिल्म के मुख्य अभिनेता इंदौर के विशाल मोहन ने प्रेस क्लब में 'चाय पर चर्चा' कार्यक्रम में कही।

विशाल ने बताया कि फिल्म में उनके किरदार का नाम वसीम अख्तर है, जिसे एक यादव परिवार ने पाला है। प्रोमो देखकर इसे लव जिहाद से जोड़कर विरोध हुआ और उन पर FIR भी दर्ज हुई, लेकिन फिल्म देखने के बाद दर्शकों को समझ आया कि किरदार भारतीय संस्कृति और यादव परिवार के मूल्यों के अनुरूप है। अब वही लोग सोशल मीडिया पर उनकी एक्टिंग की सराहना कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इंदौर में 5 साल तक एक्टिंग इंस्टीट्यूट चलाने के बाद उन्होंने मुंबई का रुख किया। टीवी शो और 70-80 विज्ञापनों के बाद फिल्मों में आए। पहली फिल्म 'गेम 100 करोड़' सफल नहीं रही, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। आगामी प्रोजेक्ट्स में 'आशिकी इंतहाँ' (राजस्थानी में 'लाडो बाईसा') और साउथ डेब्यू शामिल है, जिसमें वे खलनायक की भूमिका में दिखेंगे। वे अपनी एक फिल्म इंदौर में शूट करना चाहते हैं। कार्यक्रम में प्रेस क्लब अध्यक्ष दीपक कर्दम ने स्वागत किया, संचालन महासचिव प्रदीप जोशी ने किया। इस दौरान उपाध्यक्ष संजय त्रिपाठी, सचिव अभिषेक चेंडके सहित पत्रकार साथी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने की कानून व्यवस्था और त्योहारों की तैयारियों की समीक्षा

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

रतलाम। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बुधवार को मुख्यमंत्री निवास कार्यालय समत्व से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कानून व्यवस्था, आगामी त्योहारों की तैयारियों, नशा विरोधी अभियान, नारकोटिक्स नियंत्रण तथा खाद-बीज के भंडारण व वितरण की प्रगति की समीक्षा की। वीसी के दौरान कलेक्टर अजय कटेसरिया ने सामाजिक न्याय विभाग को निर्देश दिए कि जिले में नशा मुक्ति के क्षेत्र में कार्य कर रही संस्थाओं की जानकारी संकलित कर राज्य स्तर पर भेजी जाए। कलेक्टर ने स्वामित्व योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि योजना में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पटवारियों व अधिकारियों को 26 जनवरी पर सम्मानित किया जाएगा। वीसी के दौरान रतलाम एनआईसी कक्ष में डीआईजी निमिष अग्रवाल, कलेक्टर अजय कटेसरिया, पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।



हरनासा में नंदी बाबा की आत्म शांति हेतु विशाल भंडारा व श्रद्धांजलि सभा

इंदौर। जिले के ग्राम हरनासा में परम पूज्य नंदी बाबा की आत्म शांति के लिए विशाल भंडारे एवं श्रद्धांजलि सभा का भव्य आयोजन हुआ। इस अवसर पर संपूर्ण क्षेत्र भक्ति और श्रद्धा से सराबोर नजर आया। आयोजन की शुरुआत सुबह नंदी बाबा की दिव्य प्रतिमा के समक्ष विशेष पूजन-अर्चन और महाआरती से हुई। 'जय नंदी बाबा' के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। पूजन पश्चात महाप्रसाद का वितरण शुरू हुआ, जिसमें हरनासा सहित आसपास के दर्जनों गांवों से आए हजारों श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया। भंडारे में सामाजिक समरसता का अद्भुत नजारा देखने को मिला। जात-पात के भेद से परे समाज के हर वर्ग के लोग एक साथ पंगत में बैठे। ग्रामीणों का सेवा भाव और प्रबंधन सराहनीय रहा। आयोजन में उपस्थित श्रद्धालुओं ने कहा कि यह भंडारा नंदी बाबा के प्रति ग्रामीणों के अटूट विश्वास और प्रेम का प्रतीक है। यह दिन ग्राम के इतिहास में हमेशा याद रखा जाएगा।



दैनिक विश्वनाथ समाचार
इंदौर, गुरुवार 5 नवम्बर 2026

देवास में दो माह में 100 शिशुओं की मौत, जिला स्तरीय समीक्षा बैठक में कारणों का विश्लेषण

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

सितंबर-अक्टूबर में दर्ज शिशु मृत्यु प्रकरणों की समीक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और समय पर उपचार उपलब्ध कराने पर जोर



देवास। संवाददाता सोनू मंसूरी। जिले में सितंबर एवं अक्टूबर 2026 के दौरान दर्ज 100 शिशु मृत्यु प्रकरणों को लेकर बुधवार, 4 नवंबर को सीएमएचओ कार्यालय के एनएचएम हॉल में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सरोजिनी जेम्स बेक ने की। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सुनील तिवारी ने बताया कि 1 सितंबर से 31 अक्टूबर तक कुल 100 शिशु मृत्यु प्रकरण दर्ज हुए। इनमें 38 प्रकरण एसएनसीयू, 11 एसएनसीयू ब्रॉट डेड तथा 51 प्रकरण अन्य स्वास्थ्य क्षेत्रों से संबंधित रहे। समीक्षा में समय से पूर्व जन्म, दूध श्वसन नली में जाना, जन्म के समय श्वासावरोध, रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम, निमोनिया, सेप्सिस एवं कम जन्म वजन प्रमुख कारण सामने आए। बैठक में नवजात स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावी बनाने, समय पर उपचार और शिशु मृत्यु रोकथाम के लिए सुधारात्मक कदम उठाने पर जोर दिया गया। इस दौरान सिविल सर्जन डॉ. एसके खरे, डॉ. वंदना केसरी, डॉ. शाहिद शेख, डॉ. पुष्पा पवैया, डॉ. वैशाली निगम, डीपीएम कामाक्षी दुबे, डीसीएम ओमप्रकाश मालवीय सहित चिकित्सा अधिकारी एवं स्वास्थ्य

कुक्षी में थाना प्रभारी दिलीप पुरी को दी भावभीनी श्रद्धांजलि,

मोमबत्तियां जलाकर किया नमन



विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

कुक्षी थाना प्रभारी दीपक सिंह चौहान एवं नगर सुरक्षा समिति के सदस्यों ने मौन रखकर दिवंगत अधिकारी को अर्पित किए श्रद्धासुमन

कुक्षी। रिपोर्ट नरेंद्र सिरवी। देवास जिले के खातेगांव थाना प्रभारी निरीक्षक दिलीप पुरी की अवैध शराब तस्करी रोकने के दौरान हुई दुखद मृत्यु से पुलिस विभाग सहित आम नागरिकों में शोक की लहर है। दिवंगत पुलिस अधिकारी की स्मृति में कुक्षी नगर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर कुक्षी थाना प्रभारी दीपक सिंह चौहान की विशेष उपस्थिति में रात्रि गश्त पर तैनात नगर सुरक्षा समिति के सक्रिय सदस्यों ने मोमबत्तियां जलाकर दिवंगत अधिकारी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उपस्थित सभी लोगों ने कुछ समय मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान निरीक्षक दिलीप पुरी की कर्तव्यनिष्ठा और सेवाभाव को याद किया गया। उपस्थित लोगों ने उनके असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदनाएं प्रकट कीं। दिवंगत अधिकारी को श्रद्धांजलि देते हुए पुलिसकर्मियों एवं नगर सुरक्षा समिति के सदस्यों ने उनके कर्तव्य के प्रति समर्पण को नमन किया।

सारंगपुर में खाद्य विभाग की कार्रवाई, मावा-घी और मिठाइयों के लिए सैंपल

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

अग्रवाल मावा भंडार और बीकानेर मिष्ठान भंडार का निरीक्षण, जांच रिपोर्ट के आधार पर होगी आगे की कार्रवाई





सारंगपुर। रिपोर्टर मनोज पुष्पद। त्योहारों के मद्देनजर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा लगातार निरीक्षण एवं नमूना संग्रहण की कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में मंगलवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारी एसएस खत्री ने राजस्व विभाग के संयुक्त दल के साथ सारंगपुर के मिठाई प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर मावा, घी और मिठाइयों के नमूने लिए। खाद्य सुरक्षा प्रशासन के निर्देश एवं कलेक्टर के मार्गदर्शन में की गई कार्रवाई के दौरान अग्रवाल मावा भंडार से मावा और घी के नमूने संग्रहित किए गए। वहीं बीकानेर मिष्ठान भंडार से मलाई बर्फी, मिल्क केक और अंजीर बर्फी के सैंपल लिए गए। मावा एवं घी का मौके पर प्राथमिक परीक्षण भी किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि संग्रहित नमूनों को जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा जाएगा। रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों के तहत नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई, खाद्य सामग्री के सुरक्षित भंडारण, खाद्य लाइसेंस एवं सुरक्षा मानकों के पालन की स्थिति भी जांची गई। संचालकों को उपभोक्ताओं के लिए शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। कार्रवाई के दौरान कार्यपालिक मजिस्ट्रेट एवं तहसीलदार कपिल शर्मा सहित राजस्व विभाग के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। विभाग ने स्पष्ट किया कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण अभियान आगे भी जारी रहेगा।

मनावर में 54 लाख का अवैध गांजा जब्त,

कपास और तुअर के खेत में मिले 150 पौधे

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

मनावर (धार)। संवाददाता कौशिक पंडित। अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत मनावर पुलिस ने बुधवार को ग्राम करौंदिया खुर्द, उमरबन में बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने कपास और तुअर की फसल के बीच उगाए गए गांजे के 150 हरे पौधे जब्त किए, जिनका कुल वजन 4 क्विंटल 51 किलोग्राम और



अनुमानित कीमत 54 लाख 12 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर एवं एसडीओपी प्रदीप वाल्टर के मार्गदर्शन में कार्रवाई की गई। मुखबिर की सूचना पर उमरबन चौकी पुलिस ने खेत में दबिश देकर आरोपी मुन्ना गावड़ (38), निवासी करौंदिया खुर्द को गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। पुलिस के अनुसार, पिछले दो महीनों में अवैध गांजा खेती के खिलाफ यह दसवीं कार्रवाई है। कार्रवाई में थाना प्रभारी राजेश यादव, चौकी प्रभारी प्रकाश अलावा, प्रधान आरक्षक आमिर अंसारी, ललित कुमरावत तथा आरक्षक गंगाराम और शैलेन्द्र की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान जारी रखने की बात कही है।



जसपिंदर नरूलाः सुरों की बहुरंगी पहचान

परिचय : संगीत की अनमोल आवाज

भारतीय संगीत जगत में कुछ आवाजें ऐसी होती हैं, जो अपनी मधुरता, विशिष्ट अंदाज और भावपूर्ण गायकी के कारण श्रोताओं के दिलों में खास जगह बना लेती हैं। जसपिंदर नरूला ऐसी ही एक प्रतिभाशाली गायिका हैं। पंजाबी संगीत, बॉलीवुड पार्श्वगायन, सूफी संगीत और धार्मिक गायकी में उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई है। उनकी आवाज में शास्त्रीय संगीत की गहराई, लोक संगीत की मिठास और सूफियाना अंदाज का खूबसूरत संगम सुनाई देता है। उन्होंने हिंदी और पंजाबी के अलावा विभिन्न भाषाओं में भी अपनी गायकी का जादू बिखेरा है।

प्रारंभिक जीवन : संगीत से जुड़ा परिवार

जसपिंदर नरूला का जन्म 14 नवंबर को हुआ। उनका परिवार संगीत से जुड़ा हुआ था। उनके पिता केसर सिंह नरूला पंजाबी संगीत जगत के जाने-माने संगीतकार थे। जसपिंदर को बचपन से ही गायकी का शौक था। उन्होंने अपने पिता से संगीत की शुरुआती शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने उस्ताद गुलाम सादिक खान से शास्त्रीय संगीत की बारीकियां सीखीं। संगीत के प्रति उनकी लगन ने बचपन में ही उनकी प्रतिभा को निखारना शुरू कर दिया था।

शिक्षा और संगीत साधना

जसपिंदर नरूला ने संगीत के साथ-साथ अपनी औपचारिक शिक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया। उन्होंने दिल्ली के इंद्रप्रस्थ कॉलेज फॉर वुमेन से संगीत में स्नातक की पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने संगीत में उच्च शिक्षा हासिल की और दिल्ली विश्वविद्यालय से हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। वर्ष 2008 में डॉक्टरेट की पढ़ाई पूरी करना उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों में महत्वपूर्ण पड़ाव रहा। उनकी शास्त्रीय संगीत की मजबूत नींव ने उन्हें फिल्मी, सूफी और लोक संगीत में भी अपनी अलग पहचान बनाने में मदद की।

बॉलीवुड में पहचान : लोकप्रिय गीतों का सफर

जसपिंदर नरूला ने बॉलीवुड में अपनी आवाज से खास मुकाम हासिल किया। फिल्म 'प्यार तो होना ही था' का गीत 'प्यार तो होना ही था', जिसे उन्होंने रेमो फर्नांडिस के साथ गाया, उनके करियर का सबसे लोकप्रिय गीत बना। इस गीत ने उन्हें देशभर में पहचान दिलाई। वर्ष 1999 में उन्हें इस गीत के लिए फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ महिला पार्श्वगायिका पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके अलावा उन्होंने 'सोल्जर', 'विरासत', 'मोहब्बतें', 'मिशन कश्मीर', 'फिर भी दिल है हिंदुस्तानी' और 'बंटी और बबली' जैसी फिल्मों में भी अपनी आवाज दी। 'तेरा रंग बल्ले बल्ले' और 'बुम्बरो' जैसे गीतों ने उनकी लोकप्रियता को और बढ़ाया।

पंजाबी व सूफी संगीत

जसपिंदर नरूला की खासियत यह है कि उन्होंने खुद को केवल बॉलीवुड तक सीमित नहीं रखा। पंजाबी लोकगीतों, गुरबाणी, भजनों और सूफी संगीत में भी उनका योगदान उल्लेखनीय है। उनकी गायकी में पंजाबी संस्कृति और आध्यात्मिक भावनाओं की झलक दिखाई देती है। 'दमा दम मस्त कलंदर' जैसी सूफियाना प्रस्तुति से भी उन्होंने श्रोताओं को प्रभावित किया। उन्होंने धार्मिक और आध्यात्मिक संगीत के माध्यम से भी अपनी कला को व्यापक श्रोतावर्ग तक पहुंचाया। वर्ष 2008 में रियलिटी शो 'धूम मचा दे' में उन्हें भारत की सर्वश्रेष्ठ लाइव परफॉर्मर का खिताब मिला।

सम्मान और उपलब्धियां

जसपिंदर नरूला को संगीत के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए अनेक सम्मान मिले हैं। फिल्मफेयर और स्क्रीन अवॉर्ड के अलावा उन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना मिली है। वर्ष 2025 में भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री सम्मान से नवाजा। यह उपलब्धि उनके लंबे संगीत सफर और भारतीय संगीत के प्रति समर्पण का महत्वपूर्ण प्रमाण है। उनकी प्रतिभा ने साबित किया है कि निरंतर अभ्यास, शिक्षा और कला के प्रति समर्पण से सफलता की नई ऊंचाइयां हासिल की जा सकती हैं।

निष्कर्ष

जसपिंदर नरूला का संगीत सफर नई पीढ़ी के कलाकारों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने बॉलीवुड की व्यावसायिक गायकी से लेकर पंजाबी लोक संगीत और आध्यात्मिक प्रस्तुतियों तक अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। उनकी आवाज में विविधता और भावनाओं की गहराई है।

फिर अक्षय के साथ काम करेंगी भूमि पेडनेकर

सुपरस्टार अक्षय कुमार का नाम अपनी अपकमिंग मूवीज को लेकर चर्चा में बना रहता है। लंबे समय से निर्देशक प्रियदर्शन संग एक आने वाली अनटाइल मूवी को लेकर अक्की लगातार सुर्खियां बटोर रहे हैं। अब अक्षय की इस फिल्म को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है, जो लीड एक्ट्रेस से जुड़ी हुई है।

बताया जा रहा है कि अक्षय कुमार की इस अपकमिंग अनटाइटल फिल्म के लिए एक्ट्रेस के लिए मेकर्स की तलाश पूरी हो गई है। वह अभिनेत्री 4 साल बाद अक्की के साथ बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रही है। आइए इस मामले को विस्तार से जानते हैं-

अक्षय कुमार संग नजर आएगी यह एक्ट्रेस

किसी भी फिल्म के लीड एक्टर और लीड एक्ट्रेस के मामले अक्सर सिनेमाई गलियारे में चर्चा का विषय बनते हैं। फिलहाल इस मामले में अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन की आगामी अनटाइटल फिल्म छाई हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार यह दावा किया जा रहा है कि इस फिल्म में बॉलीवुड की मशहूर अदाकारा भूमि पेडनेकर लीड रोल प्ले करती नजर आएंगी।

हालांकि, अभी इस मामले की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। अगर ऐसा होता है तो भूमि 4 साल बाद



अभिनेता अक्षय कुमार के साथ सिल्वर स्क्रीन पर वापसी करती नजर आएंगी। आखिरी बार ये दोनों कलाकार साल 2022 में आई फिल्म 'रक्षा बंधन' में एक साथ दिखाई दिए थे, जोकि बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही थी।

इतना ही नहीं साल 2017 में अक्षय कुमार और भूमि पेडनेकर की जोड़ी पहली बार फिल्म 'टॉयलेट- एक प्रेम कथा' में नजर आई थी, जो कि कमर्शियल तौर पर बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई थी। अब ये दोनों स्टार्स एक-दूसरे के साथ तीसरी फिल्म करने के लिए कमर कसते हुए दिखाई दे सकते हैं।

इस फिल्म में किया था कैमियो

सिर्फ 'टॉयलेटः एक प्रेम कथा' और 'रक्षा बंधन' ही नहीं बल्कि भूमि पेडनकर अभिनेता अक्षय कुमार की एक फिल्म में कैमियो रोल प्ले करती हुई नजर आ चुकी हैं, जिसका नाम है 'खेल खेल में'। 2024 में आई इस कॉमेडी ड्रामा में भूमि ने छोटी सी भूमिका अदा की थी।

भूमि पेडनेकर ने 'दम लगा के हईशा', 'टॉयलेटः एक प्रेम कथा', 'शुभ मंगल सावधान', 'सांड की आंख', 'बाला', 'बधाई दो' और 'भक्षक' जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय किया है। उनकी फिल्में सामाजिक मुद्दों और महिला सशक्तिकरण को प्रमुखता देती हैं।

वही काम करती हूं जो मुझे पसंद हो

KEERTHY



मैं किसी रेस में नहीं हूं। ऐसा नहीं है कि मुझे बहुत सारी फिल्में करनी हैं। मैं वही काम कर रही हूं जो मुझे पसंद है। हिंदी सिनेमा में काम करने का मौका भी मुझे इसी तरह मिला। मैं इसके पीछे भाग नहीं रही थी। सब कुछ अपने आप सही समय पर हुआ और अब देखूंगी कि इसे आगे कैसे बढ़ाना है...

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री कीर्ति सुरेश इन दिनों अपनी आने वाली सीरीज 'अक्का' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। इस सीरीज में वह अभिनेत्री राधिका आप्टे के साथ दिखाई देंगी। बता दें कि साउथ अभिनेत्री कीर्ति ने 2024 में वरुण धवन स्टारर फिल्म 'बेबी जॉन' से हिंदी सिनेमा में कदम रखा था।

अब हाल ही में एक्ट्रेस ने बॉलीवुड में आने और काम करने को लेकर बात की। कीर्ति ने बताया कि वह हिंदी सिनेमा में काम करना चाहती थीं, लेकिन इसके लिए उन्हें कोई जल्दबाजी नहीं थी। वह चाहती थीं कि सब कुछ सही समय पर अपने आप हो।

क्या बोलीं कीर्ति सुरेश?

कीर्ति ने कहा, 'मैं निश्चित रूप से किसी समय हिंदी सिनेमा में काम करना चाहती थी और आखिरकार ऐसा हुआ। इसकी शुरुआत 'अक्का' से हुई। इस बीच 'बेबी जॉन' आई और उसके बाद मैंने राजकुमार राव के साथ 'रफ्तार' नाम की फिल्म की। यह फिल्म भी जल्द रिलीज होनी चाहिए।'

अभिनेत्री ने आगे कहा, 'मैं किसी रेस में नहीं हूं। ऐसा नहीं है कि मुझे बहुत सारी फिल्में करनी हैं। मैं वही काम कर रही हूं जो मुझे पसंद है। हिंदी सिनेमा में काम करने का मौका भी मुझे इसी तरह मिला। मैं इसके पीछे भाग नहीं रही थी। सब कुछ अपने आप सही समय पर हुआ और अब देखूंगी कि इसे आगे कैसे बढ़ाना है।'

कैसे कीर्ति को मिली 'अक्का'?

कीर्ति ने बताया कि धर्मा (निर्देशक) ने मेरी फिल्म 'सानी कायिधम' देखी थी। उसमें मेरा किरदार बेहद मजबूत और बेखौफ था, लेकिन उसके अंदर एक संवेदनशील पहलू भी था। मुझे हमारी पहली मुलाकात याद है। उन्होंने बताया कि उन्होंने यह फिल्म देखी है। तब मैंने उनसे कहा कि अब मैं समझ गई कि आप मुझे यह किरदार क्यों देना चाहते हैं।

क्या है 'अक्का' की कहानी?

कीर्ति और राधिका स्टारर 'अक्का' की कहानी 1980 के दशक में पेरनुरु नाम के एक काल्पनिक राज्य में दिखाई गई है, जहां महिलाओं का दबदबा है। फिल्म की कहानी भवानी (कीर्ति) और रुद्रा (राधिका) नाम की दो ताकतवर महिलाओं के इर्द-गिर्द घूमती है। दोनों की अलग-अलग सोच और उनके बीच की दुश्मनी राज्य में सत्ता के समीकरण तय करती है।

कब रिलीज होगी 'अक्का'?

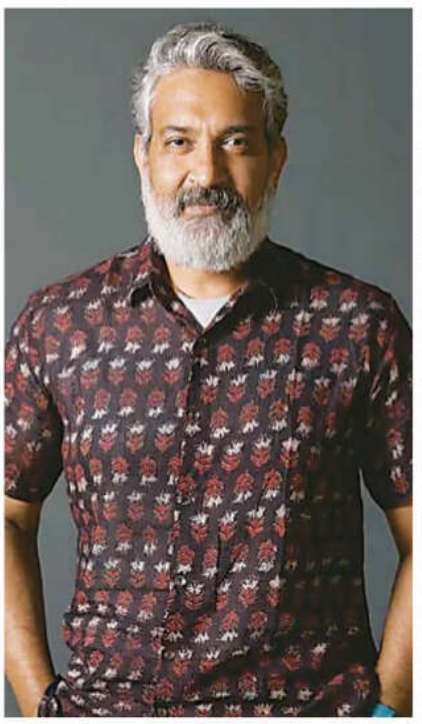
'अक्का' का निर्देशन धर्मराज शेट्टी ने किया है। सीरीज में कीर्ति सुरेश और राधिका आप्टे के अलावा तन्वी आजमी, महेश मांजरेकर, अंशुमान पुष्कर और मोनिका पंवार समेत कई कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस सीरीज का निर्माण वाईआरएफ एंटरटेनमैंट ने किया है। 'अक्का' 30 अक्तूबर को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने वाली है।

कंट्रोवर्सीज

शादी की अफवाहें: 2020 से 2023 के बीच कीर्ति का नाम संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर और व्यवसायी फरहान बिन लियाकत के साथ जोड़ा गया। कीर्ति और उनके परिवार ने इन खबरों को निराधार बताया।

फैशन को लेकर ट्रोलिंग: 2023 में निर्देशक वेंकी एटलुरी की शादी में पहने गए रंगीन लहंगे को लेकर सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोल किया गया।

फिल्म 'डोरोथी' पर विवाद: सितंबर 2026 में फिल्म के समलैंगिक चित्रण को लेकर सोशल मीडिया पर विरोध और बहिष्कार की मांग हुई। फिल्म में कीर्ति की भूमिका को लेकर भी चर्चा रही।



एसएस राजामौली की सिल्वर जुबली

अपनी अलग तरह की सोच, कहानी कहने के बिल्कुल अलग अंदाज और फुल एंटरटेनर फिल्मों के जरिए इंडियन सिनेमा में अपनी एक खास पहचान बना चुके फिल्म मेकर एसएस राजामौली ने हाल ही में सिनेमा इंडस्ट्री में करियर के शानदार 25 साल पूरे किए। एसएस राजामौली के कहानी कहने का अंदाज अनोखा है और लार्जर देन लाइफ सिनेमा के लिए उनका विज़न बेमिसाल है। उनकी बाहुबली फ्रेंचाइजी ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई करते हुए जबरदस्त धूम मचाई।

उन्होंने अपने करियर में अब तक 'बाहुबली' फ्रैंचाइज़ी के अलावा, 'सिम्हाद्री', 'छत्रपति', 'मगधीरा', 'ईगा', 'आरआरआर', 'बाहुबलीः द एपिक' जैसी कई मेगा ब्लॉकबस्टर्स हिट फिल्में दी है। 2016 में, भारत सरकार द्वारा पद्मश्री से सम्मानित हो चुके एसएस राजामौली ने लगातार भारतीय सिनेमा के पैमाने और महत्वाकांक्षा को एक नई पहचान दी है। एसएस राजामौली इन दिनों महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन के लीड रोल वाली लगभग 1200 करोड़ की लागत से बन रही अपने आगामी फिल्म 'वाराणसी' में बिजी हैं। इस फिल्म से सालों बाद प्रियंका चोपड़ा किसी भारतीय फिल्म में कमबैक कर रही हैं।

दैनिक
विश्वनाथ समाचार
इंदौर, गुरुवार 5 नवम्बर 2026

होसबाले बोले-हमने पूरा किया आरएसएस का संकल्प

हमें राम मंदिर बनाकर दिखाना था, वह हमने बना दिया: संघ

इंदौर में सरकार्यवाह ने कहा-आरक्षण को लेकर न हो राजनीति



इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक बुधवार को समाप्त हो गई। डेली कॉलेज में 2 नवंबर से चल रही इस बैठक में देशभर से करीब 400 प्रतिनिधि शामिल हुए। समापन के बाद सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने आरक्षण, मंदिरों के मामलों, संगठन विस्तार, एसआईआर, संघ के पंजीयन और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर संघ का पक्ष रखा। आरक्षण पर होसबाले ने कहा कि सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों को जब तक समान अवसर नहीं मिलते, तब तक आरक्षण जारी रहना चाहिए। इसका लाभ सभी पात्र लोगों तक पहुंचना चाहिए। कृष्ण जन्मभूमि समेत अदालतों में चल रहे मंदिरों के मामलों पर उन्होंने कहा, 'हमें राम मंदिर बनाकर दिखाना था, वह हमने बना दिया।

एक साल में 10,241 नए स्थानों तक पहुंचा संघ

होसबाले ने बताया कि संघ के शताब्दी वर्ष में संगठन का विस्तार हुआ है। एक साल में संघ की पहुंच 10,241 नए स्थानों तक बढ़ी है। अब देश के 63,208 स्थानों पर 99,423 शाखाएं संचालित हो रही हैं।

मोबाइल से दूर रखने के बजाय बच्चों को संस्कार दें

नए जनसंचार माध्यमों और मोबाइल के इस्तेमाल पर होसबाले ने कहा कि तकनीक को रोकना आसान नहीं है। बच्चों को इंटरनेट और मोबाइल से पूरी तरह दूर रखने के बजाय उन्हें सही संस्कार देना जरूरी है। स्कूल, कॉलेज और सामाजिक संस्थाओं की इसमें अहम भूमिका है। माता-पिता को तय करना चाहिए कि बच्चों को किस उम्र में डिवाइस देना है और वे कितनी देर उसका इस्तेमाल करें। उन्होंने परिवारों से अपील की कि दिन में या सप्ताह में आधा से एक घंटा मोबाइल से दूर रहकर सभी सदस्य साथ बैठें और सकारात्मक विषयों पर बातचीत करें। मंदिर जाने वाले लोग बच्चों को भी साथ ले जाएं और उन्हें धार्मिक-सामाजिक परंपराओं का महत्व समझाएं।

बंगाल में 150 गुना बढ़ीं शाखाएं, केरल के हर गांव तक पहुंचने का दावा

संघ की शाखाओं के विस्तार पर होसबाले ने कहा कि पश्चिम बंगाल में शाखाओं की संख्या पहले की तुलना में 150 गुना बढ़ी है। पहले वहां शाखाएं लगाने का विरोध होता था। त्रिपुरा और असम में संघ के कई कार्यकर्ताओं की हत्या भी हुई, लेकिन संगठन का काम जारी रहा। मिजोरम में दो जगह और लद्दाख में भी शाखाएं शुरू की गई हैं। उन्होंने दावा किया कि केरल के सभी गांवों में संघ की शाखाएं हैं। होसबाले ने कहा कि युवाओं को नशे से बचाने के लिए संघ विशेष योजना बनाएगा।

अमेरिका में मिडटर्म चुनाव हारे राष्ट्रपति ट्रंप

● दोनों सदनों में करारी हार, डेमोक्रेट्स को बहुमत ● पहले मुस्लिम सीनेटर बनेंगे अब्दुल अल-सैयद ● चुनाव प्रचार में ट्रम्प ने उन्हें 'जिहादी' कहा था

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के मिडटर्म चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी को हार मिली है। डेमोक्रेटिक पार्टी ने सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स दोनों सदनों में बहुमत हासिल कर लिया है। वहीं, मिशिगन में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार अब्दुल अल सैयद ने जीत हासिल की। इसके साथ ही वह अमेरिकी इतिहास में सीनेटर चुने जाने वाले पहले मुस्लिम बन गए हैं। ट्रम्प ने अब्दुल को खुले मंच से जिहादी कहा था। 25 अक्टूबर को मिशिगन में एक चुनावी रैली के दौरान ट्रम्प ने कहा था,मैं यहां एक जिहादी और मुस्लिम ब्रदरहुड के सदस्य को अमेरिकी सीनेटर बनने से रोकने आया हूं।



हार के बाद कच्चे तेल की कीमतों में उछाल

अमेरिकी चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को मिली हार के बाद बाजार में यह अनिश्चितता बढ़ी है कि ट्रम्प ईरान युद्ध को लेकर आगे क्या फैसला लेंगे। इसी चिंता का असर कच्चे तेल की कीमतों पर दिख रहा है। रॉयटर्स के मुताबिक, बुधवार सुबह ब्रेंट क्रूड की कीमत 76 सेंट यानी 0.7 फीसदी बढ़कर 104.36 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई।

हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स, सीनेट सब हारे

हाउस में कुल 435 सीटें हैं और सभी सीटों पर चुनाव हुए हैं। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने 231 सीटें जबकि ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी ने 144 सीटें जीती हैं। सीनेट की 100 सीटों में से 35 पर चुनाव हुए हैं। आंकड़ों के मुताबिक, अब तक 33 सीटों के नतीजे सामने आ चुके हैं। इनमें डेमोक्रेटिक पार्टी ने 20 और रिपब्लिकन पार्टी ने 13 सीटें जीती हैं। बाकी 2 सीटों पर वोटों की गिनती जारी है। इन नतीजों को मिलाकर डेमोक्रेटिक पार्टी के पास 54 और रिपब्लिकन पार्टी के पास 44 सीटें हैं।

राजस्थान में रेलवे ट्रैक पर जबरदस्त ब्लास्ट

45 मिनट पहले पैसेंजर ट्रेन गुजरी थी, बाल-बाल बची



अनूपगढ़ (एजेंसी)। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में रेलवे लाइन पर मंगलवार रात 9.45 बजे ब्लास्ट हो गया। अनूपगढ़-सूरतगढ़ ट्रैक पर धमाके से पहले रात 9 बजे पैसेंजर ट्रेन गुजरी थी। धमाके की आवाज 200 मीटर दूर तक सुनाई दी। ब्लास्ट के कारण पटरी के नीचे लगे सीमेंट के दो ब्लॉक पूरी तरह से टूट गए। पटरियों के बीच 2 फीट गहरा गड्ढा हो गया।

दुनिया का छठा प्रोजेक्ट

नवी मुंबई में बन रही देश की पहली समुद्री रेल-टनल

● 7 किलोमीटर लंबी, 35 मंजिला इमारत जितनी गहराई में दौड़ेगी बुलेट ट्रेन

सावली (एजेंसी)। नवी मुंबई के सावली में देश की पहली समुद्री रेल सुरंग बनाई जा रही है। इस सुरंग से देश की पहली बुलेट ट्रेन गुजरेगी। सुरंग बनाने का काम जमीन से 114 मीटर नीचे चल रहा है, यानी इतनी गहराई, जितनी 35 मंजिला ऊंची इमारत होती है। समुद्र के अंदर सुरंग बनाने का यह छठा प्रोजेक्ट है। दुनिया में सबसे ज्यादा 2 समुद्री सुरंगें जापान में हैं। इसके अलावा चीन, नॉर्वे में एक-एक समुद्री सुरंग है। ब्रिटेन और फ्रांस के बीच भी एक समुद्री सुरंग बनी है।



भारी गर्मी और घुटन के बीच करीब 1,200 मजदूर और इंजीनियर दिन-रात इस काम में जुटे हैं। सावली से शीलफाटा के बीच 4.8 किलोमीटर लंबी सुरंग पहले ही तैयार हो चुकी है। अब समुद्र के अंदर 7 किलोमीटर लंबी सुरंग खोदी जा रही है, जिसके लिए 3,000 टन भारी मशीन लगातार खुदाई कर रही है। आमतौर पर मेट्रो के आने-जाने के लिए दो अलग सुरंगे बनती हैं, लेकिन यहां एक ही चौड़ी सुरंग के अंदर से दोनों तरफ की बुलेट ट्रेनें एक साथ निकलेंगी।

पानी का दबाव और कंपन रोकना बड़ी चुनौती

विक्रोली से बीकेसी के बीच इमारतों, फ्लाईओवरों को कंपन से बचाने के लिए टीबीएम की गति 4 आरपीएम पर सेट है। जमीन पर रियल-टाइम सेटलमेंट सेंसर 24 घंटे हलचलों की निगरानी कर रहे हैं। पानी का दबाव : गीली मिट्टी और भारी जलदाब के कारण समुद्री सुरंग में पानी भरने का जोखिम है। इससे बचने स्लरी बेस्ड मिक्स शील्ड टीबीएम चल रही है, जो मिट्टी-पानी के गाढ़े घोल की मदद से खुदाई कर रही है। 13.6 मीटर व्यास वाली विशाल सुरंग एनएटीएम तकनीक से खोदते तो इसके ढहने की आशंका ज्यादा थी। इसलिए टीबीएम से खुदाई के साथ ही कंक्रीट रिंग सेगमेंट्स और वाटरप्रूफ सीलिंग लगा रहे हैं।

दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव से रोकना गलत

● सुप्रीम कोर्ट ने कहा-कानून पर विचार की है जरूरत ● देश के 5 राज्यों में लागू है नियम, कई और में तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव लड़ने से रोकने वाले कानून अब प्रासंगिक नहीं रह गए हैं। कोर्ट ने बताया कि भारत की कुल प्रजनन दर 2003 में 3 थी, जो अब घटकर 1.9 रह गई है। 2.1 की प्रजनन दर को रिप्लेसमेंट रेट माना जाता है। इससे कम प्रजनन दर का मतलब है कि एक पीढ़ी अपनी जगह अगली पीढ़ी को पूरी तरह नहीं ले पाएगी। कोर्ट ने कहा कि प्रजनन दर में गिरावट से बुजुर्गों की आबादी बढ़ सकती है और कामकाजी लोगों की संख्या घट सकती है। इन बदलावों को नजरअंदाज करने के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने महाराष्ट्र की पूर्व सरपंच मंगला भीमराव को राहत दी।



7 राज्यों ने दो बच्चों की शर्त खत्म की

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार की ओर से पेश वकील रुक्मिणी बोबडे को कोर्ट की मदद के लिए एमिकस क्यूरी नियुक्त किया था। कोर्ट ने उनसे और याचिकाकर्ता के वकील प्रतीक बोरंबडे से उन राज्यों की सूची मांगी थी, जहां दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव लड़ने पर रोक है। रुक्मिणी बोबडे की ओर से दी गई सूची के मुताबिक, 7 राज्यों ने दो बच्चों की शर्त खत्म कर दी है, जबकि 15 राज्यों में ऐसी कोई नीति नहीं है। गोवा, गुजरात, महाराष्ट्र, ओडिशा और उत्तराखंड में यह नियम अब भी लागू है। 2003 में जावेद बनाम हरियाणा राज्य मामले में सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच ने हरियाणा पंचायती राज अधिनियम, 1994 में दो बच्चों की शर्त को संवैधानिक रूप से सही ठहराया था। इस कानून के तहत दो से ज्यादा जीवित बच्चे होने पर कोई व्यक्ति स्थानीय निकाय का चुनाव नहीं लड़ सकता था। मौजूदा बेंच ने 4 अगस्त को इस मामले में फैसला सुरक्षित रखा था।

मौजूदा कानून राजनीतिक अधिकारों से वंचित करते हैं

बेंच ने कहा कि दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव लड़ने से रोकने वाले कानून नागरिकों के एक पूरे वर्ग को राजनीतिक प्रतिनिधित्व से बाहर कर देते हैं। इसका किसी व्यक्ति की सार्वजनिक पद संभालने की क्षमता से कोई खास संबंध नहीं है। कोर्ट के मुताबिक, ऐसे कानून लोगों को बच्चे पैदा करने या लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हिस्सा लेने में से किसी एक को चुनने के लिए मजबूर करते हैं। इससे संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मिले प्रजनन से जुड़े फैसले लेने की आजादी के अधिकार का उल्लंघन होता है। मंगला भीमराव महाराष्ट्र की काकोड़ा ग्राम पंचायत की पूर्व सरपंच थीं।

राहुल गांधी ने पीएम को फिर दी बहस की चुनौती

बोले-मोदी देशद्रोही, ट्रम्प के कहने पर काम कर रहे

संगरूर (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि मैंने पीएम नरेंद्र मोदी को डिबेट की चुनौती दी है। मैंने उन्हें कहा है कि कहीं भी आकर मेरे साथ डिबेट कर लो, लेकिन वह मेरे सामने आकर बैठ नहीं सकते हैं। मैं गारंटी देता हूं कि 5 मिनट में उन्हें देशद्रोही साबित कर दूंगा। मोदी को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प नियंत्रित कर रहे हैं। ये बात उन्होंने पंजाब के संगरूर में इंसाफ रैली के दौरान कही। संबोधन की शुरुआत में वह पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह को स्टेज पर लाए। राहुल गांधी ने कहा कि सिद्धू मूसेवाला के साथ जो हुआ, वह आज पंजाब में एक फैशन बन गया है। पंजाब में नशा सबसे बड़ा मुद्दा है।



राहुल गांधी ने कहा- कांग्रेस की सरकार बनाइए

राहुल गांधी ने पंजाब के लोगों से कांग्रेस की सरकार बनाने की अपील करते हुए कहा कि पंजाब को पंजाब की सरकार दीजिए। कांग्रेस की सरकार दीजिए। ऐसी सरकार चुनिए जो नशे के खिलाफ लड़े, ड्रग्स खत्म करे, युवाओं को रोजगार दे, उद्योगों को बचाए और किसानों के साथ खड़ी रहे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक संदीप परमार द्वारा उदयरत्न ऑफसेट 170/2, दारू गोडाउन के आगे, आगर रोड, उज्जैन से मुद्रित एवं 215, सोमानी नगर, एयरपोर्ट 60 फीट रोड, इंदौर (म.प्र.) 452005 से प्रकाशित।
सनातन दवदी (स्थानीय संपादक)/ उत्कर्ष जैन-(जीवन डोडिया-9926084685) RNI No. MPHIN/25/A4357- (सभी विवादों का क्षेत्र इंदौर रहेगा)- (नोट : पी.आर.बी. एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)-मो. 7000928755 E-mail:- vishwanathsamachar@gmail.com